

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिषीय योग)

1. ज्योतिष में विभिन्न वर्ग कुण्डलियों की क्या महत्ता है? अपने उत्तर में नवांश व दशमांश के आधार पर चर्चा करें।

अथवा

निम्न कुण्डली में कोई पांच योग बताएं

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	03:28
सूर्य	कन्या	20:17
चन्द्र	वृष	22:44
मंगल	तुला	02:22
बुध	कन्या	09:46
गुरु	सिंह	22:23
शुक्र	तुला	17:22
शनि	मिथुन	17:27
राहु	कर्क	00:55
केतू	मकर	00:55

जन्म - 7:10:1944, 00:53, 88 पू. 21, 22 उ. 46, च. 0 व 5 मा 10 दि

2. प्रथम, चतुर्थ, सप्तम व दशम भाव से क्या अभिप्राय हैं?
3. किसी जातक के धन की स्थिति कुण्डली में किस प्रकार देखते हैं? कौन से योग जातक को धनी या निर्धन बनाते हैं?
4. उदाहरण सहित निम्न योगों पर चर्चा करें।
(क) केमदुम व दुरधरा
(ख) पाप करतरी व शुभ करतरी
5. नीच के ग्रह का क्या प्रभाव पड़ता है? क्या नीच भंग संभव है? यदि हाँ, तो कैसे?

भाग-II (प्रश्न कुण्डली)

6. (क) 30.7.2008 को प्रातः 10.30 पर चेन्नई में जन्म लेने वाले जातक को कौन सी विंशोत्तरी दशा शेष मिलेगी?
(ख) विंशोत्तरी दशा में गुरु की महादशा कौन से सामान्य फल मिलते हैं?
अथवा
प्रत्यंतर दशा नाथ का फलित में क्या प्रयोग है, चर्चा करें?
7. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
(क) वेध व विपरीत वेध
(ख) मूर्ति निरणय सिद्धांत
(ग) गुरु के सिंह में गोचर के सामान्य फल
8. प्र. 1 के जातक की शनि महादशा में प्राप्त होने वाले फलों पर चर्चा करें।
9. योग क्या है? योग के बल का किस प्रकार निर्धारण करते हैं व योग कब फलीभूत होता है?
10. राहु के सभी बारह राशियों में क्या सामान्य फल मिलते हैं?